डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, वेलचेरी, चेन्नई

मानवाधिकार और मौलिक कर्त्तव्य दिवस - 2025

मानवाधिकार और मौलिक कर्त्तव्य दिवस हमारे संविधान द्वारा प्रदान किए गए अधिकारों और कर्त्तव्यों के बीच संतुलन स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण दिन है। यह हमें बताता है कि अधिकारों का सही उपयोग तभी संभव है जब हम अपने कर्त्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करें। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, चेन्नई के तत्त्वावधान में दसवीं कक्षा की मेज़बानी में मानवाधिकार और मौलिक कर्त्तव्य दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत गायत्री मंत्र के उच्चारण से हुई। कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने अधिकारों और कर्त्तव्यों के परस्पर संबंध को समझाते हुए यह बताया कि ये दोनों मिलकर ज़िम्मेदार नागरिकता को प्रोत्साहित करते हैं। इसके बाद कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं ने इस दिन के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए यह बताया कि कैसे मानवाधिकार और मौलिक कर्त्तव्यों के सिद्धान्त समाज को न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बनाने में सहायक होते हैं। कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों द्वारा एक भावनात्मक नाटक के माध्यम से मौलिक अधिकारों पर चर्चा की गई, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, शिक्षा और जीवन से संबंधित विभिन्न चुनौतियों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। इस नाटक में कानूनी सहायता, छात्रवृत्ति और सामूहिक सक्रियता जैसे व्यावहारिक समाधान भी बताए गए जो इन अधिकारों की रक्षा और अभ्यास में मदद कर सकते हैं। दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने मौलिक कर्त्तव्यों के महत्त्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे समाज की प्रगति में सक्रिय योगदानकर्ता बनें, जिससे एक विचारशील और गहन वातावरण का निर्माण हुआ। उनके वक्तव्य में नागरिक ज़िम्मेदारियों को सही तरीके से निभाने का आहवान किया गया। यह कार्यक्रम मानवाधिकार और मौलिक कर्त्तव्यों के महत्त्व पर विचारशील और आकर्षक विचारों का आदान-प्रदान था, जिसने विद्यार्थियों को अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों का सही अनुपालन करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रगान और शान्ति पाठ के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, वेलचेरी, चेन्नई

मानवाधिकार और मौलिक कर्त्तव्य दिवस - 2025

भावनात्मक नाटक प्रस्तुति

स्वागत भाषण